BA-2(H)
मैथिली
पेपर --चतुर्थ
five lecture

प्रो० संजीत कुमार राम
अतिथि शिक्षक
मैथिली विभाग
V.S.J. college, Rajnagar

मैथिली भाषाशास्त्र

मैथिली ओ भोजपुरीक संग संबंध

जौर्ज ग्रियर्सन अपन Linguistic Survey of India मे बिहारी भाषाक नामसँ मैथिली, मगही ओ भोजपुरीकेँ एक प्राच्यभाषावर्गमे परिगणित करने छथि, परन्तु भाषावैज्ञानिक दृष्टिएँ ई वर्गीकरण युक्ति -संगत नहि अछि, कारण मैथिली, मगही एवं अन्य पूर्वाचलीय भाषासभहिक मूल मागधी प्राकृत अछि तँ भोजपुरीक विकास अर्द्धमागधी प्राकृत सँ भेल अछि। वस्तुतः भोजपुरीक परिगणना संयुक्त प्रान्त (UP) क भाषाक रूपमे सहज प्रसिद्ध अछि। डॉ० सुनीति कुमार चटर्जीक मन्तव्य अछि— "Bhojapuria territory

(Ancient Kasi Janapada) has always been under the influence of the west, and western forms of speech, like Braj bhasha, and Avadhi and literary Hindustani (Hindi and Urdu) in later times, have been cultivated by poets and others."

प्रो॰ ग्रियर्सन सेहो बिहारीभाषाक अन्तर्गत भोजपुरीकेँ वर्गीकृत करबाक अपन भ्रान्तिकेँ अनुभव करल।

भाषाविज्ञानक दृष्टिएँ मैथिली ओ भोजपुरीमे जाहि रूपक समानता भेटैत अछि, से थोड़ बहुत अन्यो आधुनिक भाषामे अछि। भोजपुरीमे मैथिली जकाँ विशेषण ओ क्रिया-पदमे लिंग-भेद होइत अछि यथा माइ अइली, बाप अइलन। एहिना मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाक 'ल' क 'र' दुहू भाषामे समान रूपसँ होइत अछि। परन्तु दुहू भाषाक पार्थक्य सेहो अधिक लक्षित होइत अछि, जे प्रमुख रूपेँ निम्न प्रकार अछि-

1. भोजपुरीमे 'अ' स्वर पाश्चिमीय भाषा

एकाँ स्पष्ट तीव्रात्मक रीतिसँ उच्चारित होइत अछि। पूर्वांचलीय भाषा एकाँ वृत्तात्मक रीतिएँ नहि।

2. भोजपुरीमे संज्ञामे 'न' लगाए बहुवचन बनैत अछि, यथा लड़िका क बहुवचन लड़िकवन। एकर विपरीत मैथिलीमे परसर्ग लगाए बहुवचन निष्पन्न होइत अछि, यथा नेनासब।

3. सम्बन्ध वाचक विभक्ति भोजपुरीमे 'के' अछि, मैथिली-सहित पूर्वांचलीय भाषामे 'क' ओ केर अछि।

Sanjay

23/04/20